I. उत्पादन

2008-09 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर पूर्ववर्ती पांच वर्षों के 8.8 प्रतिशत की औसत वृद्धि से घटकर 6.7 प्रतिशत हो गई। 2008-09 में भारत की जीडीपी वृद्धि संसार के सर्वाधिक में से एक थी तथा जिसने घरेलू वृद्धि पर वैश्विक आर्थिक संकट के प्रतिकूल प्रभावों को रोकने के लिए गंभीर बाह्य आघात और नीतिगत प्रतिसाद के प्रभाव के प्रति देश के वृद्धि आवेग की आघात - सहनीयता को दर्शाया। 2008-09 की चौथी तिमाही में समग्र जीडीपी वृद्धि पिछली तिमाही की तरह समान स्तर पर बनी रही, मुख्यरूप से कृषि और संबद्ध गतिविधियों की वृद्धि में सुधार के कारण, क्योंकि उद्योग और सेवाओं में वर्ष की चार क्रमिक तिमाहियों में निरंतर गिरावट जारी रही, दूसरी छमाही में गिरावट की दर बढ़ी जो वैश्विक समकालिक मंदी के संक्रमण को दर्शाती है। 2009-10 की पहली तिमाही के मूल आधारभूत संरचना क्षेत्र की वृद्धि और अप्रैल-मई 2009 के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आइआइपी) सुधार के चिह्नों को प्रकट करते हैं लेकिन जून 2009 में मानसून आने की देरी, जिसने खरीफ बुवाई को प्रभावित किया है, वृद्धि की संभावनाओं पर एक रुकावट के रूप में कार्य करती है।

I.1 2008-09 में भारत की जीडीपी वृद्धि 6.7 प्रतिशत थी जो 2007-08 की 9.0 प्रतिशत की वृद्धि और 2003-08 की 8.8 प्रतिशत औसत वृद्धि से कम थी। वृद्धि में गिरावट मुख्य रूप से औद्योगिक वृद्धि में तीव्र कमी और कृषि तथा सेवा क्षेत्रों की वृद्धि में कमी के कारण थी। औद्योगिक वृद्धि में कमी मुख्य रूप से चक्रीय गिरावट का परिणाम थी जो वैश्विक आर्थिक मंदी के कारण और बढ़ गयी। 2008-09 की दूसरी छमाही में, समकालिक वैश्विक मंदी ने पिछले वर्ष के उच्च निष्पादन चरण के सुदृढ़ वृद्धि आवेग को धीमा कर दिया। आर्थिक

वृद्धि में गिरावट की गति 2008-09 की तीसरी तिमाही में सबसे तेज थी और चौथी तिमाही में केवल कृषि क्षेत्र की वृद्धि में अप्रत्याशित सुधार के कारण गिरावट रुक गयी, जबकि औद्योगिक क्षेत्र में कम ऋणात्मक वृद्धि दिखी और सेवा क्षेत्र में गिरावट जारी रही।

I.2 2008-09 की चौथी तिमाही के दौरान, वास्तविक जीडीपी वृद्धि के 5.8 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया गया जबकि पिछले राजकोषीय वर्ष की तदनुरूप अवधि में यह 8.6 प्रतिशत रही। 'कृषि और संबंद्ध गतिविधियों' और 'सामुदायिक, सामाजिक और वैयक्तिक सेवाओं' को छोड़कर सभी उप क्षेत्रों में 2007-08 की तदनुरूप अवधि की तुलना में 2008-09 की चौथी तिमाही में वृद्धि कम रही (सारणी 1)। कृषि क्षेत्र, जिसमें 2008-09 की तीसरी तिमाही में संकुचन दिखाई दिया था, में चौथी तिमाही में सुधार परिलक्षित हुआ।

कृषि स्थिति

I.3 भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, 2009 (जून से सितंबर) के दक्षिण-पश्चिम मानसून मौसम के दौरान वर्षा के सामान्य से दीर्घावधि औसत (+_ 4.0 प्रतिशत की मॉड़ल त्रुटि के साथ) के 93 प्रतिशत पर होने की संभावना है, जबकि देश के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में सबसे अधिक कमी देखी जा रही है। यद्यपि

सारणी 1 : वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर@

(प्रतिशत)

क्षेत्र	2007-08*	2008-09#	2007-08				2008-09			
			ति.1	ति.2	ति.3	ति.4	ति.1	ति.2	ति.3	ति.4
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1. कृषि और सहायक कार्यकलाप	**4.9 (17.8)**	**1.6 (17.0)**	**4.3**	**3.9**	**8.1**	**2.2**	**3.0**	**2.7**	**-0.8**	**2.7**
2. उद्योग	**7.4 (19.2)**	**2.6 (18.5)**	**8.5**	**7.5**	**7.6**	**5.9**	**5.1**	**4.8**	**1.6**	**-0.5**
2.1 खनन और उत्खनन	3.3	3.6	0.1	3.8	4.2	4.7	4.6	3.7	4.9	1.6
2.2 विनिर्माण	8.2	2.4	10.0	8.2	8.6	6.3	5.5	5.1	0.9	-1.4
2.3 बिजली, गैस और जल आपूर्ति	5.3	3.4	6.9	5.9	3.8	4.6	2.7	3.8	3.5	3.6
3. सेवाएं	**10.8 (63.0)**	**9.4 (64.5)**	**10.8**	**10.7**	**10.2**	**11.3**	**10.0**	**9.8**	**9.5**	**8.4**
3.1 व्यापार,हॉटेल, रेस्टोरेंट परिवहन, भंडारण और संचार	12.4	9.0	13.1	10.9	11.7	13.8	13.0	12.1	5.9	6.3
3.2 वित्तपोषण, बीमा, स्थावर संपदा और कारोबारी सेवाएं	11.7	7.8	12.6	12.4	11.9	10.3	6.9	6.4	8.3	9.5
3.3 सामुदायिक, सामाजिक और वैयक्तिक सेवाएं	6.8	13.1	4.5	7.1	5.5	9.5	8.2	9.0	22.5	12.5
3.4 निर्माण	10.1	7.2	11.0	13.4	9.7	6.9	8.4	9.6	4.2	6.8
4. कारक लागत पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद	**9.0**	**6.7**	**9.2**	**9.0**	**9.3**	**8.6**	**7.8**	**7.7**	**5.8**	**5.8**
ज्ञापन: (राशि करोड़ रुपए में)										
क) कारक लागत पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद	31,29,717	33,39,375								
ख) चालू बाजार कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद	47,23,400	53,21,753								

@ : 1999-2000 की कीमतों पर * : त्वरित अनुमान # : संशोधित अनुमान

टिप्पणी : कोष्ठक के आंकड़े वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सा दर्शाते हैं।

स्रोत : केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन

मानसून 23 मई 2009 को केरल के ऊपर आ गया था (सामान्य तिथि से एक सप्ताह पहले), इसका आगमन धीमा और अनियमित रहा है। मौसम के दौरान अब तक (22 जुलाई 2009 तक) संचयी वर्षा संतोषजनक स्तर से कम रही है, पूरे देश में वर्षा सामान्य से 19.0 प्रतिशत नीचे रही है जबकि पिछले वर्ष की तदनुरूप अवधि के दौरान यह सामान्य से 2.0 प्रतिशत कम थी। 36 मौसमी उप मंड़लो में से, संचयी वर्षा 17 उप मंडलों (पिछले वर्ष 21 उप मंड़ल) में अत्यधिक / सामान्य थी। 23 जुलाई 2009 के अनुसार, देश के 81 प्रमुख जलाशयों में कुल वर्षा के जल (लाइव) का भंड़ारण पूर्ण जलशय क्षमता का 23.9 प्रतिशत (पिछले वर्ष की तदनुरुप अवधि के दौरान 29.0 प्रतिशत) था।

I.4 जून 2009 में दक्षिण-पश्चिम मानसून के विलंब से आगमन और संबद्ध कम वर्षा ने कृषि उत्पादन की संभावनाओं को क्षीण किया है; फिर भी जुलाई 2009 से अब तक वर्षा सापेक्षिक रूप से अच्छी रही है और 17 जुलाई 2009 की बुवाई की स्थिति में सुधार दिखा है जिससे पता चलता है कि अधिकांश दालों, तिलहनों और मोटे अनाजों की बुवाई पिछले वर्ष के स्तर समीप है, यद्यपि धान की बुवाई अभी भी पिछले वर्ष के स्तर से काफी अधिक नीचे है (सारणी 2)।

सारणी 2 : *खरीफ* फसल के अंतर्गत बोए गए क्षेत्र की प्रगति 2009-10

(मिलियन हेक्टेयर)

फसल	सामान्य क्षेत्र	क्षेत्र व्याप्ति (17 जुलाई के अनुसार)		
		2008	2009	समग्र घट-बढ़
1	2	3	4	5
चावल	39.2	14.5	11.5	-3.1*
मोटा अनाज	23.0	11.6	10.2	-1.4
जिसमें से:				
बाजरा	9.7	4.6	3.5	-1.1
ज्वार	3.9	1.7	1.7	-0.1*
मक्का	6.8	4.7	4.6	-0.1
कुल दालें	11.2	4.1	3.8	-0.2*
कुल तिलहन	16.9	11.0	10.7	-0.3
गन्ना	4.4	4.4	4.3	-0.1
कपास	8.7	6.2	6.9	0.7
जूट	0.8	0.7	0.7	0.0
सभी फसलें	**104.2**	**52.5**	**48.0**	**-4.5**

*: पूर्णांकन के कारण विषमताएं।
स्रोत : कृषि मंत्रालय, भारत सरकार ।

चार्ट 1 : दक्षिण पश्चिम मानसून संचयी वर्षा (1 जून से 22 जुलाई 2009 तक)

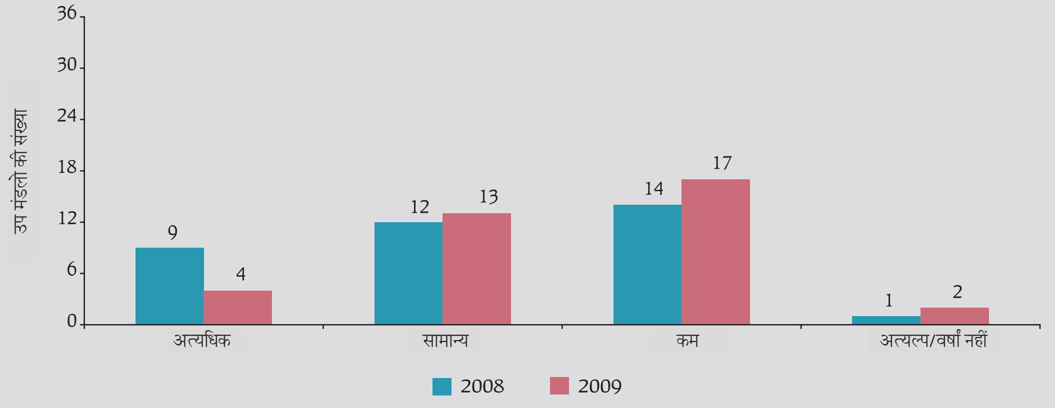

I.5 खरीफ उत्पादन, जो समग्र कृषि उत्पादन का लगभग 57 प्रतिशत रहता है, प्रभावित हुआ है विशेषरूप से बड़ी खरीफ फसलें जैसे चावल, तूर, उड़द, मक्का और सोयाबीन जो मानसून पर निर्भर हैं। 2008-09 के दौरान, कम खरीफ उत्पादन की रबी उत्पादन ने भरपाई की और परिणाम के रूप में वर्ष की चौथी तिमाही में समग्र कृषि उत्पादन में प्रत्याशित सुधार दिखा। चौथे अग्रिम अनुमानों में 2008-08 के दौरान कुल खाद्यान्न उत्पादन को 233.9 मिलियन टन रखा गया है, जो पिछले वर्ष के 230.8 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 1.3 प्रतिशत अधिक है (सारणी 3)।

सारणी 3 : कृषि उत्पादन

(मिलियन टन)

फसल	2007-08	2008-09 @	
		लक्ष्य	उपलब्धि
1	2	3	4
चावल	96.7	97.0	99.2
खरीफ	82.7	83.0	84.6
रबी	14.0	14.0	14.6
गेहूं	78.6	78.5	80.6
मोटा अनाज	40.8	42.0	39.5
खरीफ	31.9	32.6	28.4
रबी	8.9	9.4	11.1
दालें	14.8	15.5	14.7
खरीफ	6.4	5.9	4.8
रबी	8.4	9.6	9.9
कुल खाद्यान्न	**230.8**	**233.0**	**233.9**
खरीफ	121.0	121.5	117.7
रबी	109.8	111.5	116.2
कुल तिलहन	29.8	31.8	28.2
खरीफ	20.7	20.0	17.9
रबी	9.0	11.8	10.3
गन्ना	348.2	340.0	271.3
कपास #	25.9	26.0	23.2
जूट और मेस्ता ##	11.2	11.0	10.4

@ : 2008-09 के लिए चतुर्थ पूर्वानुमान।
\# : 170 कि.ग्रा. प्रत्येक की मिलियन गाठें ।
\## : 180 कि.ग्रा. प्रत्येक की मिलियन गाठें।
स्रोत : कृषि मंत्रालय, भारत सरकार

खाद्य प्रबंधन

I.6 2009-10 के दौरान (13 जुलाई तक) खाद्यान्न (चावल और गेहूँ) की सरकारी खरीद पिछले वर्ष की तदनुरूप अवधि की तुलना में अधिक थी (सारणी 4)। 2009-10 के दौरान (30 अप्रैल तक) खाद्यान्न का उठाव पिछले वर्ष की तुलना में अधिक था। भारतीय खाद्य निगम और अन्य सरकारी एजेसिंयों के पास कुल खाद्यान्न का भंड़ार 1 मई 2009 को बढ़कर लगभग 51.8 मिलियन टन हो गया। 21.4 मिलियन टन और 29.8 मिलियन टन का क्रमशः गेहूँ और चावल दोनों का भंड़ार 1 मई 2009 को उनके अपने मानदंडों से अधिक था (एक वर्ष में 1 अप्रैल को चावल और गेहूँ का न्यूनतम भंड़ार क्रमशः 12.2 मिलियन टन और 4.0 मिलियन टन होना चाहिए)।

औद्योगिक निष्पादन

I.7 2008-09 में, औद्यौगिक निष्पादन, जैसाकि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आइआइपी) में वृद्धि द्वारा मापा गया, जुलाई 2008 में शीर्ष पर था। वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान उद्योग की वृद्धि में (वर्ष-दर-वर्ष) तीव्र गिरावट दिखी जबकि दिसंबर 2008 और मार्च 2008 में ऋणात्मक वृद्धि रही।

I.8 औद्योगिक निष्पादन में अप्रैल-मई 2009 के दौरान एक मिश्रित तस्वीर दिखी। जबकि विनिर्माण और खनन क्षेत्र में गिरावट जारी रही और इसने हेड लाइन आइआइपी में वृद्धि को 1.9 प्रतिशत कम कर दिया (अप्रैल-मई 2008 के दौरान 5.3 प्रतिशत), इस अवधि के दौरान बिजली क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दिखी (चार्ट 2 और सारणी 5)। अप्रैल-मई 2009 में विनिर्माण क्षेत्र की गिरावट 'खाद्य उत्पाद', 'जूट और अन्य शाक

सारणी 4 : खाद्यान्न स्टॉक का प्रबंधन

(मिलियन टन)

माह/वर्ष	खाद्यान्न का प्रारंभिक स्टॉक			खाद्यान्न की खरीद			खाद्यान्न का उठाव					अंतिम स्टॉक	मानदंड
	चावल	गेंहू	कुल	चावल	गेंहू	कुल	पीडीएस	ओडब्ल्यूएस	ओम एम एस-घरेलू	निर्यात	कुल		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
2008-09	13.8	5.8	19.8	32.8	22.7	55.5	34.9	3.4	1.2	0.0	39.5	35.6	
2009-10@	21.6	13.4	35.6	5.3	25.1	30.4	3.3	0.2	0.0	0.0	3.5	उ.न.	
				(4.6)	(22.5)	(27.2)	(2.7)	(0.0)	(0.0)	(0.0)	(2.8)	उ.न.	
2008													
जनवरी	11.5	7.7	19.2	4.5	0.0	4.5	2.9	0.3	0.0	0.0	3.2	21.4	20.0
अप्रैल	13.8	5.8	19.8	1.1	12.6	13.7	2.7	0.0	0.0	0.0	2.8	30.7	16.2
2009													
जनवरी	17.6	18.2	36.2	4.8	0.0	4.8	3.0	0.2	0.3	0.0	3.4	37.4	20.0
फरवरी	20.2	16.8	37.4	3.7	0.1	3.8	3.0	0.3	0.2	0.0	3.6	37.1	
मार्च	21.3	15.3	37.1	2.3	0.0	2.3	2.9	0.4	0.02	0.0	3.9	35.6	
अप्रैल	21.6	13.4	35.6	1.4	19.4	20.8	3.3	0.2	0.0	0.0	3.5	51.8	16.2
मई	21.4	29.8	51.8	1.9	4.4	6.4	उ.न.	उ.न.	उ.न.	उ.न.	उ.न.	उ.न.	
जून	उ.न.	उ.न.	उ.न.	1.3	1.1	2.4	उ.न.	उ.न.	उ.न.	उ.न.	उ.न.	उ.न.	
जुलाई*	उ.न.	उ.न.	उ.न.	0.6	0.2	0.9	उ.न.	उ.न.	उ.न.	उ.न.	उ.न.	उ.न.	26.9

पीडीएस : सार्वजनिक वितरण प्रणाली। **ओडब्ल्यूएस :** अन्य कल्याणकारी योजनाएं। **ओएमएस :** खुला बाजार बिक्री **उ.न. :** उपलब्ध नहीं

@ : 13 जुलाई 2009 तक सरकारी खरीद तथा 30 अप्रैल 2009 तक उठाव * : 13 जुलाई 2009 तक

टिप्पणी : 1. स्टॉक में मोटा अनाज भी शामिल होने के कारण अंतिम स्टॉक के आंकड़े उन आंकड़ों से भिन्न हो सकते हैं जो प्रारंभिक स्टॉक और खरीद के जोड़कर तथा उठाव को घटाकर निकले गए हैं।

2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े 2008-09 की तदनुरूप अवधि के दौरान खाद्यान्न की सरकारी खरीद/उठाव को दर्शाते हैं।

3. 29 मार्च 2005 से प्रभावी नई सुरक्षित भंडार नीति के अंतर्गत सार्वजनिक एजेंसियों द्वारा 1अप्रैल,1जुलाई,1अक्तूबर और 1जनवरी को कुल न्यूनतम स्टॉक रखा जाए।

स्रोत : उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार।

फायबर वस्त्र', 1चमड़ा और फर उत्पाद', 'पेय, तंबाकू और संबद्ध उत्पाद', 'सूती वस्त्र', 'कागज़ और कागज उत्पाद', तथा 'धातु उत्पाद और पुर्जे' में गिरावट को दर्शाती है। दूसरी तरफ, बिज़ली क्षेत्र में तापीय और

चार्ट 2: औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि (वर्ष दर वर्ष)

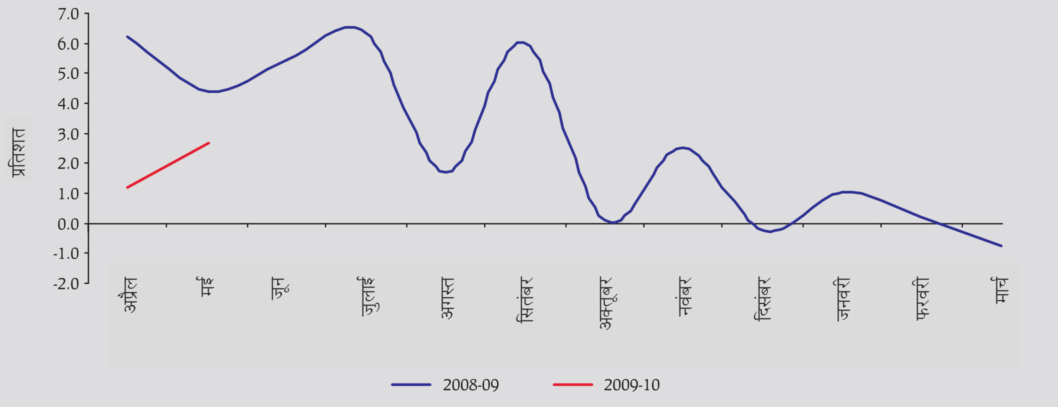

सारणी 5 : औद्योगिक उत्पादन सूचकांक - उद्योगों का क्षेत्रीय और उपयोग आधारित वर्गीकरण

(प्रतिशत)

उद्योग समूह	आइआइपी में भारांक	वृद्धि दर			भारित योगदान #		
			अप्रैल-मई			अप्रैल-मई	
		2008-09	2008-09	2009-10 अ	2008-09	2008-09	2009-10 अ
1	2	3	4	5	6	7	8
क्षेत्रीय							
खनन	10.5	2.6	5.8	3.8	6.7	7.4	13.2
विनिर्माण	79.4	2.6	5.6	1.5	84.5	89.3	65.0
बिजली	10.2	2.8	1.7	5.1	8.6	2.8	22.2
उपयोग-आधारित							
मौलिक वस्तुएं	35.6	2.6	3.5	4.2	29.7	20.1	64.4
पूंजीगत वस्तुएं	9.3	7.0	8.0	-5.3	34.2	16.7	-31.3
मध्यस्थ वस्तुएं	26.5	-2.0	2.5	6.7	-19.9	12.3	88.9
उपभोक्ता वस्तुएं (क+ख)	28.7	4.6	8.0	-1.2	54.3	48.9	-21.3
क) उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	5.4	4.5	3.0	14.7	12.8	4.3	55.7
ख) उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुएं	23.3	4.6	9.5	-5.8	41.4	44.5	-77.0
सामान्य	**100.0**	**2.6**	**5.3**	**1.9**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

अ : अनंतिम

: पूर्णांकन के कारण आंकड़े 100 से भिन्न हो सकते हैं।

स्रोत : केंद्रीय सांख्यिकी संगठन

आणविक शक्ति उत्पादन के कारण पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि अधिक रही। अप्रैल-मई 2009 में समग्र औद्योगिक निष्पादन में 2008-09 की अंतिम तिमाही की तुलना में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

I.9 17 द्विअंकीय विनिर्माण उद्योग समूहों में से, अप्रैल-मई 2009 के दौरान 10 समूहों ने धनात्मक वृद्धि दर्ज की जबकि पिछले वर्ष की तदनुरूप अवधि में 12 उद्योग समूहों ने धनात्मक वृद्धि दर्ज की (सारणी 6)।

I.10 प्रयोग आधारित वर्गीकरण के अनुसार, मूल, मध्यवर्ती और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में वृद्धि तेज गति से हुई, जबकि अप्रैल-मई 2009 के दौरान पूंजी और उपभोक्ता गैर टिकाऊ क्षेत्र में गिरावट आई। लगातार सात महीनों तक निरंतर गिरावट के पश्चात, मार्च 2009 में मध्यवर्ती माल क्षेत्र के उत्पादन में वृद्धि हुई इसके पश्चात अप्रैल-मई 2009 में वृद्धि में तेजी आई। मूल माल क्षेत्र में मुख्य रूप से बिजली उत्पादन में वृद्धि और कुछ 'मूल धातु और मिश्र धातु उद्योगों' के निष्पादन में सुधार के कारण अधिक वृद्धि हुई। इसके विपरीत, पूंजीगत माल क्षेत्र में 'परिवहन उपकरण को छोड़कर मशीनरी और उपस्कर' तथा 'परिवहन उपकरण और पुर्जे' जैसे घटकों में कमजोर निष्पादन के कारण गिरावट आई। उपभोक्ता माल क्षेत्र में भी मुख्य रूप से उपभोक्ता गैर टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन में और कमी के कारण गिरावट दिखी, जबकि उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के घटक में 'धातु उत्पाद और पुर्जे' तथा 'परिवहन उपकरण' के उत्पादन में वृद्धि के कारण गति आई। उपभोक्ता गैर टिकाऊ वस्तुओं में गिरावट 'पेयों, तंबाकू और संबद्ध उत्पाद', 'कागज और कागज

सारणी 6 : विनिर्माण समूहों की वृद्धि

(प्रतिशत)

उद्योग समूह	आइआइपी में भारांक	वृद्धि दर			भारित योगदान #		
			अप्रैल-मई			अप्रैल-मई	
		2008-09	2008-09	2009-10 अ	2008-09	2008-09	2009-10 अ
1	2	3	4	5	6	7	8
1. खाद्य उत्पादन	9.08	-9.7	-8.4	-27.2	-29.3	-12.4	-129.3
2. पेय,तंबाकू तथा संबंधित उत्पाद	2.38	16.2	34.2	-7.5	32.3	32.4	-33.4
3. सूती वस्त्र	5.52	-2.1	3.2	-1.7	-3.2	2.4	-4.4
4. ऊन, रेशम और मानव निर्मित रेशों से बने वस्त्र	2.26	-0.2	7.3	6.0	-0.2	3.7	11.5
5. जूट और अन्य वनस्पति फाइबर वस्त्र (कपास छोड़कर)	0.59	-10.1	-10.1	-8.5	-1.2	-0.6	-1.6
6. वस्त्र उत्पाद (परिधान सहित)	2.54	4.2	4.7	11.5	5.2	3.0	27.1
7. लकड़ी, लकड़ी के उत्पाद, फर्नीचर और फिक्स्चर	2.70	-10.3	-17.3	18.7	-6.0	-4.8	15.2
8. कागज तथा कागज के उत्पाद तथा मुद्रण, प्रकाशन तथा संबंधित उद्योग	2.65	1.7	2.6	-2.0	2.0	1.4	-3.9
9. चर्म एवं चर्म एवं फर उत्पाद	1.14	-6.9	9.6	-8.6	-2.2	1.4	-4.7
10. रसायन एवं रासायनिक उत्पादन (पेट्रोलियम एवं कोयले के उत्पाद को छोड़कर)	14.00	4.1	11.7	3.0	30.4	41.9	41.6
11. रबड़, प्लास्टिक, पेट्रोलियम एवं कोयले के उत्पाद	5.73	-1.5	-5.1	11.0	-3.6	-5.9	42.7
12. अधात्विक खनिज उत्पाद	4.40	1.1	0.9	7.9	2.7	1.1	32.5
13. मूल धातु और मिश्र धातु उद्योग	7.45	4.0	4.4	5.2	15.5	8.1	35.2
14. धातु उत्पाद और पुर्जे (मशीनरी और उपस्कर को छोड़कर)	2.81	-4.1	-0.1	-5.4	-3.3	0.0	-7.0
15. परिवहन उपस्कर से इतर मशीनरी तथा उपस्कर	9.57	8.7	5.8	3.2	54.9	16.4	34.4
16. परिवहन उपस्कर तथा पुर्जे	3.98	2.1	11.5	4.7	5.4	13.1	21.2
17. अन्य विनिर्माण उद्योग	2.56	0.4	1.7	10.9	0.7	-1.0	22.6
विनिर्माण - कुल	**79.36**	**2.6**	**5.6**	**1.5**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

अ : अनंतिम # : पूर्णांकन के कारण हो सकता है कि आंकड़ों का योग 100 न हो ।
स्रोत : केंद्रीय सांख्यिकी संगठन

उत्पाद', तथा 'मूल रसायन उत्पाद' में गिरावट के कारण थी।

आधारभूत संरचना

I.11 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान मूल आधारभूत संरचना क्षेत्र में 4.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पिछले वर्ष की तदनुरूप तिमाही में यह वृद्धि 3.5 प्रतिशत थी, जिसमें बिजली, सीमेंट और कोयला में पर्याप्त वृद्धि प्रमुख थी (चार्ट 3)। सीमेंट क्षेत्र में तीव्र वृद्धि हुई जो निर्माण गतिविधियों के पुनः शुरू होने की ओर संकेत करती है।

1.12 मूल आधारभूत क्षेत्र में तेजी विशेष रूप से जून 2009 में आई, जबकि वृद्धि 6.5 प्रतिशत (जून 2008 में 5.1 प्रतिशत और मई 2009 में 2.8 प्रतिशत) थी।

चार्ट 3: बुनियादी संरचना उद्योग में वृद्धि

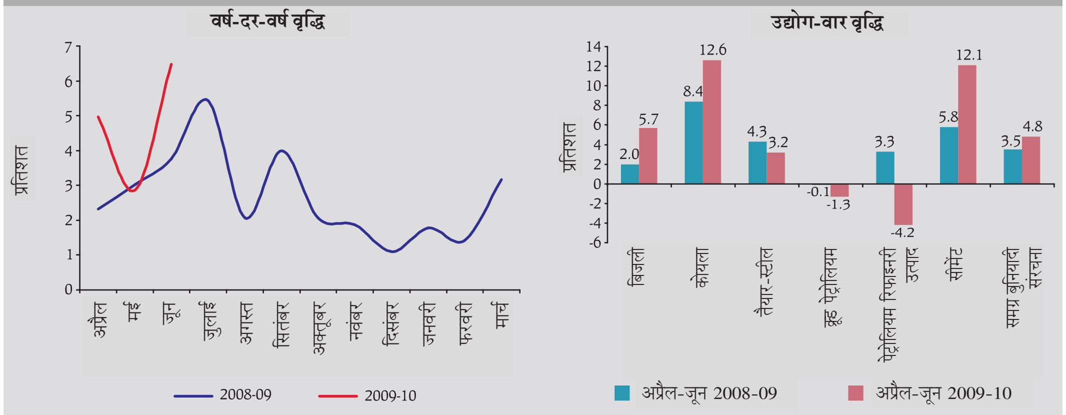

2009-10 (अर्थात अप्रैल-मई) के पिछले दो महीनों की तुलना में जून में अप्रत्याशित सुधार, कोयला और सीमेंट उत्पादन में निरंतर मजबूती के अलावा कच्चे तेल के उत्पादन में 4.0 प्रतिशत (अप्रैल-मई में ऋणात्मक वृद्धि) की वृद्धि, सुदृढ़ बिजली और स्टील उत्पादन में वृद्धि के कारण आया। अप्रैल-मई 2009 के दौरान, प्राकृतिक गैस उत्पादन 11.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,345 मिलियन क्यूबिक मीटर हो गया। फिर भी, यह लक्ष्य से 13.4 प्रतिशत कम था।

सेवा क्षेत्र

I.13 2008-09 में सेवा क्षेत्र में 9.4 प्रतिशत की कम वृद्धि हुई, जबकि 2007-08 में यह वृद्धि 10.8 प्रतिशत थी। 'सामुदायिक, सामाजिक और वैयक्तिक सेवाओं' को छोड़कर सभी घटक क्षेत्रों में गिरावट दिखी, 'सामुदायिक, सामाजिक और वैयक्तिक सेवाओं' में वृद्धि हुई जो छठे वेतन आयोग के अवार्ड को लागू करने के कारण थी। निर्माण क्षेत्र, समग्र आर्थिक गतिविधियों में गिरावट की पृष्ठभूमि में, आवासी और वाणिज्यिक स्थावर संपदा की मांग में कमी से प्रभावित हुआ। इसी तरह, 'व्यापार, होटल, परिवहन और संचार' में वृद्धि व्यापार, कारोबारी गतिविधियों और पर्यटन में गिरावट के कारण कम हुई, इसके अलावा वाणिज्यिक गतिविधियों में समग्र गिरावट रही। वर्ष के दौरान 'वित्तीयन, बीमा, स्थावर संपदा और कारोबारी सेवाओं की वृद्धि को वित्तीय उथल-पुथल, कम निर्माण गतिविधियों और सूचना प्रौद्योगिकी-बिजनेस प्रोसेस आउटसोसिंग (आइटी-बीपीओ) सेवाओं के कारण झटका लगा। वास्तविक जीडीपी वृद्धि में सापेक्षिक योगदान के अर्थ में, 'सामुदायिक, सामाजिक और वैयक्तिक सेवाएं' केवल ऐसे उप क्षेत्र थे जिन्होंने 2008-09 में वृद्धि दर्ज की (सारणी 7)।

I.14 2009-10 से अबतक की सेवा क्षेत्र की गतिविधियों के प्रमुख संकेतकों से विदेशी पर्यटकों के आगमन, वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन, प्रमुख बंदरगाहों में उतारे- चढ़ाये गये माल, नागरिक उड्डयन द्वारा उतारे-चढ़ाये गये माल, और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय टर्मिनलों में उतारे- चढ़ाये गये यात्रियों की वृद्धि में गिरावट का पता चलता है। सीमेंट के उत्पादन में काफी अधिक वृद्धि दिखी है जो निर्माण गतिविधियों के पुनः शुरू होने के प्रारंभिक संकेत हैं (सारणी 8)।

सारणी 7 : सेवा क्षेत्र में वृद्धि

(प्रतिशत अंक)

वर्ष/तिमाही	निर्माण	व्यापार, होटल, परिवहन और संचार	वित्तपोषण, बीमा, स्थावर संपदा और कारोबारी सेवाएं	सामुदायिक, सामाजिक और वैयक्तिक सेवाएं	कुल सेवाएं
1	2	3	4	5	6
2007-08 त्व.अ.	0.7	3.4	1.7	0.9	6.7
2008-09 सं.अ.	0.5	2.5	1.1	1.7	5.9
2007-08 : ति1	0.8	3.4	1.8	0.6	6.7
: ति2	1.0	3.0	1.9	1.0	6.9
: ति3	0.7	3.1	1.6	0.7	6.0
: ति4	0.5	3.8	1.4	1.3	7.1
2008-09 : ति1	0.6	3.5	1.0	1.0	6.3
: ति2	0.7	3.4	1.0	1.3	6.4
: ति3	0.3	1.6	1.2	2.7	5.7
: ति4	0.5	1.8	1.3	1.7	5.4

त्व.अ. : त्वरित अनुमान संअ : संशोधित अनुमान
स्रोत : केंद्रीय सांख्यिकी संगठन

I.15 2009-10 में कुल मिलाकर कृषि क्षेत्र में मानसून का प्रभाव अगस्त-सितंबर 2009 के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून की दशा, *रबी* फसलों के निष्पादन और संबद्ध क्षेत्र की गतिविधियों, जो कुल कृषि और संबद्ध गतिविधियों के उत्पादन का लगभग 60 प्रतिशत होंगी, में वृद्धि पर आधारित होगा। अप्रैल-मई 2009 के दौरान,

सारणी 8: सेवा क्षेत्र के कार्यकलाप के संकेतक

(प्रतिशत वृद्धि दर)

उप क्षेत्र			अप्रैल-जून	
	2007-08	2008-09	2008-09	2009-10
1	2	3	4	5
पर्यटकों का आगमन	12.2	-2.5	9.3	-1.8
वाणिज्यिक वाहनों का उत्पादन#*	4.8	-24.0	4.6	-23.1
रेलवे राजस्व अर्जक मालभाड़े की प्राप्ति	9.0	4.9	9.4	5.0
नए सेलफोन कनेक्शन*	38.3	44.8	42.9	58.6
मुख्य बंदरगाहों में कारगो प्रबंध*	12.0	2.1	10.4	-1.1
नागरिक उड्डयन*				
(क) निर्यात कारगो प्रबंध	7.5	3.4	7.6	-0.7
(ख) आयात कारगो प्रबंध	19.7	-5.7	9.3	-1.5
(ग) अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल में यात्रियों का प्रबंध	11.9	3.8	9.0	-0.4
(घ) देशी टर्मिनल में यात्रियों का प्रबंध	20.6	-12.1	5.9	-11.6
सीमेंट ##	7.8	7.5	5.8	12.1
इस्पात ##	6.8	0.6	4.3	3.2

: परिवहन के लिए अग्रणी संकेतक ## : भवन निर्माण के लिए अग्रणी संकेतक
* : स्तंभ 4 और 5 के आंकड़े अप्रैल-मई से संबंधित हैं।
स्रोत : पर्यटन मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय,सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक तथा सेंटर फॉर मानीटरिंग इंडियन इकॉनॉमी।

दस उद्योग समूहों (आइआइपी में 55.2 प्रतिशत भार) ने धनात्मक वृद्धि दर्ज की जबकि नौ उद्योग समूहों (आइआइपी में 49.5 प्रतिशत भार) ने 2008-09 के संपूर्ण वर्ष के दौरान धनात्मक वृद्धि दर्ज की। 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान, मूल आधारभूत क्षेत्र ने पिछले वर्ष की तदनुरूप अवधि की तुलना में बेहतर निष्पादन किया जिसमें बिजली, कोयला और सीमेंट ने वृद्धि में उल्लेखनीय तेजी दिखाई। सेवा क्षेत्र के प्रमुख संकेतकों ने एक मिश्रित तस्वीर पेश की जिसमें पिछले दो माह की कम / धनात्मक वृद्धि के पश्चात जून 2009 (पर्यटक आगमन, रेलवे किराया यातायात और स्टील उत्पादन) में कुछ अप्रत्याशित सुधार आया। जीडीपी के तीन प्रमुख घटकों की जानकारी से पता चलता है कि 2009-10 की पहली तिमाही की जीडीपी वृद्धि 2008-09 की दूसरी तिमाही में कोई प्रमुख सुधार नहीं दर्शा सकेगी।